Semester- 5 MJC+MIC -9
Group Counselling
सामूहिक
परामर्श
डॉ०अमर भारती सहायक प्राध्यापक

समूह परामर्श की प्रक्रिया (Process) क्या है ? विस्तारपूर्वक लिखिए।

उत्तर—मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। उसके जीवन में समूह का अत्यधिक महत्व है। वस्तुतः जन्म से लेकर मृत्यु तक मनुष्य किसी-न-किसी प्रकार के समूह के सम्पर्क में रहता है। व्यक्ति समूह (परिवार) में ही जन्म लेता है तथा विभिन्न समूहों (परिवार, खेल-समूह, मित्र-मण्डली, शिक्षा-समूह आदि) के अन्तर्गत ही उसका समाजीकरण, शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक तथा सामाजिक विकास सम्भव हो पाता है। दूसरे शब्दों में उसका सम्पूर्ण विकास, समाजीकरण, जीवन-क्रम और अस्तित्व समूह की क्रिया-प्रतिक्रिया पर ही आश्रित रहता है। व्यक्ति का व्यवहार, व्यक्तित्व, समायोजन, आदतें और विविध प्रतिक्रियाएँ समूह की मान्यताओं के अनुरूप होना स्वस्थ एवं रचनात्मक जीवन-शैली के लिए महत्वपूर्ण होता है। यद्यपि यह सत्य है कि मानसिक अस्वस्थता, कुसमायोजित व्यवहार व विभिन्न कठिनाइयों को जन्म देने में विभिन्न तरह के जैविक एवं मनोवैज्ञानिक कारकों की भूमिका होती है परन्तु साथ में यह भी निर्विवाद सत्य है कि इसमें सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य का भी अपरिहार्य योगदान होता है। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए परामर्शदाताओं द्वारा किसी प्रकार की समस्या, विसंगति या कठिनाई से पीड़ित व्यक्तियों का उपचार व परामर्श वैयक्तिक तौर पर पृथक्-पृथक् न करके एक समूह में किया जाता है। इस प्रकार समूह परामर्श, परामर्श का वह विशिष्ट प्रकार है जिसके अन्तर्गत व्यक्तियों के एक समूह द्वारा परामर्शदाता के निर्देशानुसार अपनी समस्याओं के सम्बन्ध में विचार-विमर्श किया जाता है। व्यक्तियों का

यह समूह असम्बन्धित व्यक्तियों का भी हो सकता है या फिर सम्बन्धित व्यक्तियों का भी हो सकता है।

समूह परामर्श के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए **किस्कर** का कहना है कि ''परामर्श का यह एक ऐसा प्ररूप है जिसके द्वारा अनेक परामर्श इच्छुक व्यक्तियों को एक साथ रखकर मनोवैज्ञानिक सिद्धान्त के आधार परामर्श प्रदान किया जाता है या समूह का इस्तेमाल किसी एक प्रार्थी या व्यक्ति के परामर्श के लिए किया जाता है।''

समूह परामर्श का मुख्य उद्देश्य समूह में प्रत्येक व्यक्ति को इस प्रकार सहायता प्रदान करना है कि वह अपनी समस्याओं को सुलझा सके और समायोजन स्थापित कर सके। समूह परामर्श में कम समय में अधिक लोगों को परामर्श सेवा प्रदान की जाती है। एक समूह के व्यक्तियों की समस्याओं का निदान करते समय सामूहिक मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का उपयोग किया जाता है। इस प्रकार के परामर्श में उपचारात्मक एवं निराकरणात्मक प्रयत्न भी सामूहिक स्तर पर किये जाते हैं। समूह परामर्श प्रायः उस समय अधिक उपयोगी होता है जब एक समूह के अधिकांश लोगों की समस्याएँ एक समान होती हैं। किसी भी समूह को परामर्श देने से पहले उस समूह की संरचना का अध्ययन कर लेना आवश्यक है।